

फोरलेन से जुड़ेंगे बोधगया व वैशाली : सीएम

संवाददाता > वैशाली

वैशाली ऐतिहासिक भूमि है. गणतंत्र की जननी इस भूमि का संबंध भगवान बुद्ध और महावीर से है. इसी धरती से नारी सशक्तीकरण की आवाज बुलंद हुई थी. यही वह स्थान है, जहां भगवान बुद्ध ने महिलाओं को संघ में प्रवेश की अनुमति दी थी. ये बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को वैशाली में 315 करोड़ से बनने वाले बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय सह स्तूप का शिलान्यास करते हुए कहीं. सीएम ने कहा कि जल्द ही बोधगया से वैशाली फोरलेन सड़क और बख्तियारपुर



संग्रहालय का मॉडल देखते सीएम नीतीश कुमार व डिप्टी सीएम सुशील मोदी.

ताजपुर गंगा नदी पर बनने वाले पुल से भी जुड़ जायेगा. उन्होंने कहा कि वैसे

तो भगवान बुद्ध का अस्थि अवशेष आठे जगहों

● बाकी पेज 15 पर

फोरलेन से जुड़ेंगे...

से मिला था, लेकिन वास्तविक अस्थि अवशेष वैशाली में ही मिला था. समय की विपश्यना विलीन हो रही है, यहां विपश्यना केंद्र भी बनाने का निर्णय लिया गया है. इसके निर्माण के बाद वैशाली कितने लोग आयेंगे, इसकी कल्पना की जा सकती है. यहां विपश्यना केंद्र होने से बाहर से आनेवाले पर्यटक कम 10 दिनों तक रुकेंगे. यह शांति की धरती है. इसका इस तरह से विकास जायेगा कि यहां हर कोई आना चाहेगा. राज्य में विकास कार्यों की चर्चा करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार में लालटेन का युग खत्म हो चुका है. सात निश्चय योजना से हर घर नल का जल व बिजली से रोशन हो रहा है. मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक अभिषेक पुष्करिणी के सूख जाने पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी मिली, जल संसाधन विभाग और कला संस्कृति विभाग की टीम को इसके निरीक्षण के लिए भेजा गया. इसकी एक मीटर और गहरी खुदाई के साथ पाइप लाइन के सहारे गंडक नदी का पानी यहां तक पहुंचाया जायेगा. पुष्करिणी के चारों कोनों पर सोलर पंप भी लगाये जायेंगे. कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि संग्रहालय का निर्माण होते ही लोग सुलभ तरीके से यहां भगवान बुद्ध के अस्थिकलश का दर्शन कर सकेंगे. सभा की अध्यक्षता कला एवं संस्कृति मंत्री कृष्ण कुमार ऋषि ने की. इस अवसर पर भवन निर्माण मंत्री महेश्वर हजारी, विधायक राजकिशोर सिंह, राजकुमार साह, उमेश कुशवाहा व अक्केश सिंह, कला संस्कृति विभाग के प्रधान सचिव रवि मनु भाई परमार, भवन निर्माण के प्रधान सचिव चंचल कुमार आदि मौजूद थे.